

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No.2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062 • Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com



8|10|10



नवरात्री का विशेष संदेश

सभी आजीवन के साधको को मेरा नमस्कार - - -
आज से नवरात्री का उत्सव प्रारंभ होने जा रहा है।
यह उत्सव शक्तियों की "उपासना" का बड़ा अच्छा
अवसर है। आपने "उपासना का मार्ग" गुरुकार्य को
माना है। मैंने स्वयंम ने भी यही मार्ग चुना था।
और आज जिवन के उत्तरार्ध में यह महसूस कर
रहा हूँ की मेरा यह निर्णय जिवन का "सर्वश्रेष्ठ
निर्णय था।"

अब शक्तियों की उपासना, "गुरुकार्य" को ही
सर्वश्रेष्ठ कर के ही की जा सकती है क्योंकि
गुरुकार्य वह "उपासना" है जो "जिव को शिव"
से मिलाती है। इसलिये गुरुकार्य केवल और
केवल आत्मीक स्तर पर ही दायीन हो सकता है।
"मैं विश्वशक्ती" आप ही के भितर है। यह
गुरुकार्य तो केवल उस लक्ष्य पडुपने की
प्रक्रीया मात्र है। यह इस प्रकार से हो सकता
है।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No. 2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 052. Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com



(२)

(1) सर्वश्रेष्ठ कार्य करो आप कोई भी कार्य करो वह सदैव सर्वश्रेष्ठ करने की ही आदत डालो- कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता है।

(२) अपनी क्षमता से अधिक कार्य करो सदैव अपनी क्षमता से अधिक कार्य करो में बचपन कुस्ती खेलता था तो सदैव अपने बड़े शक्तिशाली पहलवान से खेलता था- ताकी मेरी शक्ति बढ सके भले ही उस समय वह मुझे "परक परक" कर मारता हो।

(3) भाव से गुरुकार्य करो सदैव यह भाव रखो की मैं यह कार्य गुरु के लिये कर रहा हूँ, ऐसा भाव रखने से आप की कार्य क्षमता भी बढ़ेगी और शारीरिक थकान भी कभी अनुभव होगी। और आत्मशान्ती अनुभव होगी- वह अलग।

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No. 2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com



(3)

(4) सदैव गुरुचरण पर चित्त हो आप जब गुरुकार्य कर रहे हैं तो आपका चित्त भी गुरुचरण पर ही होना चाहिये इससे आसपास के (घान, और आसपास के बुरे व्यक्तियों के प्रभाव से बचे रहोगे ऐसा स्वयम मैंने किया है,

(5) सदैव सचेत रहो कार्य करते समय "सदैव सचेत" हो कर कार्य करना चाहिये, "आप भी किसी को मत लुटो और दुनिया भी आप को न लुटे" यह सदैव याद रखो बाधित लोग मुझ तक तो नहीं पहुँच सकते लेकिन मेरे बच्चों तक तो पहुँच सकते हैं और वह लुम्हारे ओर मे भी न आये लुम्हारे करीब भी न आये ऐसा चाहते हो तो अपना "मैं" का अंकार छोड़ दो तो आप नहीं "स्वामी" साक्षात् आपके माध्यम से काम करेंगे।"

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No. 2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 062. Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755

Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpenmaster@gmail.com



(4)

(6) अनिच्छीतता छोडो आप जो कभी अपने आप को अनिच्छीतता के वातावरण में डालते हो वह छोडो कभी सोचते हो यहा रहना है कभी सोचते में यहा नही रह सकता लेकिन सदैव याद रखो यहा से जा तो किसी भी क्षण जा सकते हो लेकिन वापस कभी न आने के लिये, कयोकी मेरे करीब आने के लिये मनुष्यो के लाख लाख पशु पक्षी भी लडिन में लगे रहते है, पिछे दस दिना से ६ लोक मेरे खिडकी में आकर मुझे पुकार रहे है। आप जैसे अनिच्छीत वातावरण में मैं कभी भी किसी गुरु के सनिध्य में नही रहा। आप समर्पण ध्यान का अवीष्य हो मैं मेरे बच्चो के बारे में राक क्षण भी नही सोचता हूँ, ^{और} ~~आपके~~ ^{कोई} ~~संजी~~ राक क्षण रोसा नही है, जब आप के प्रती नही सोचता है, सदैव आपके प्रती ही सोचता है,

Satguru Shree Shivkrupanand Swami

Founder :

International : Shree Shivkrupanand Swami Foundation - Singapore
3, Coleman Street, #04 - 27, Peninsula Shopping Centre, Singapore - 179804.

India :

Yoga Prabha Bharati Seva Sanstha Trust
A/8 - 30, Siddh Co-op. Hsg. Society,
Siddharth Nagar No. 2, Goregaon (West),
Mumbai - 400 052. Phone : 022-2871 0077

Shree Shivkrupanand Swami Ashram Trust
Eru Abrama Road, Eru Char Rasta,
Eru, Navsari - 396 445
Phone : 02637-324755



Web Site : www.shivkrupanandji.org • Email : samarpanmaster@gmail.com

(5)
(7) अपनी सोच को बढाओ आप जो कार्य कर रहे हो वह कार्य आपको देखना है, लेकिन कार्य की देखभाल सभी ठीक कर सकते हो जब वह कार्य आपने किया हो।

(8) संयम से बात करो सदैव याद रखो आप मेरे प्रतिनिधी के रूप में कार्य कर रहे हो, मैंने आप पर सपूर्ण विश्वास रखा है।

(9) किसी भी कार्य के लिये तैयार रहो मैंने जिन चपरासी से लेकर मैनेजर तक के सभी कार्य किये हैं।

इस अवराजी के उत्सव में अपने "मैं" को पूर्णतः विलीन कर अब निच्छय करो की "अब गुरुदेव" सारा जिन, तेरे लिये ही समर्पित हैं, सभी हम हमारे पूर्व ^{अब} गुरुओं से प्राप्त "समर्पण

ध्यान की धरोहर" अगली पिढी तक पड्या सकते हैं। यह मेरा और आपका सम्बन्ध है। आप सभी को अवराजी की शुभ शुभ शुभकामनाएँ

धन्यवाद

आपका - अपना
खावा स्वामी
8/10/10